M.A. Hindi - II Year

Bhasa Vigyan Aur Hindi Basha - 2010307

भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा

Unit - 01

भाषा, भाषा व्यवस्था, भाषा विज्ञान की शाखाएँ, भाषा की उत्पत्ति, प्रारंभिक रूप, अनुकरणात्मक अनुकरण, मनोभाविभिव्यक्ति सिद्धान्त, अनुकरण सिद्धान्त, शब्द समूह, भौतिक वातावरण, अशिक्षा, संस्कृतियों का सम्मिलन, भाषा परिवर्तन, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ, ध्वनि परिवर्तन, स्वन प्रक्रिया परिवर्तन, गुप्त भाषा, भाषा और बोली में अन्तर, संसार की भाषा और वर्गीकरण, महाद्वीप के आधार पर, पूर्ण प्रश्लिवट योगात्मक भाषाएँ भारोपीय मूल भाषा का व्याकरण, वैदिक तथा लौकिक संस्कृत में अन्तर, द्राविड, आस्टिक, युनानी, रोमन, अरबी, ईरानी, तुर्की, चीनी, शब्द, मध्यकालीन आर्य भाषा, पाली, पाली भाषा का प्रदेश, ध्वनियाँ ।

Unit - 02

भाषा विज्ञान, वाक्य की आवश्यकतायें, वाक्य के अंग, उद्‌देश्य, विधेय, वाक्य रचना, पदक्रम या शब्द क्रम, अन्वय, लोप, आगमन, वाक्य रचना, सरल वाक्य, उपवाक्य, नवीनता, स्वनिम, ग्रिम नियम, प्रथम वर्ण परिवर्तन, तालव्य नियम, स्वनिम विज्ञान, स्वर स्वनिम और व्यजन स्वनिम, ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन, अर्थ विज्ञान, अर्थ के प्रतीति, आत्म अनुभव ये, अर्थ बोध के साधन, संप्रदाय, धर्म या वर्ग के प्रति समन्वय मनोभाव ।

Unit - 03

आलंकारिक अथवा लाक्षणिक प्रयोग, ध्वनि परिवर्तन, विलोमता, अनेकात्मकता, अनेकार्थता, विभक्तियों के अवशेष का नियम, रूप विज्ञान, ध्वनि–द्विरावृत्ति, ध्वनि वियोजना, रूप परिवर्तन, ध्वनि परिवर्तन में अनतर, रूपिम अथवा रूपग्राम, उपरूप और संरूप, रूपस्वनिम विज्ञान, ध्वनि विज्ञान, प्रामाणिक ध्वनि विज्ञान, मानस्वर, संयुक्त व्यजन, ध्वनि बलाधात, मात्रा आधात, स्वरगाम, मध्य स्वरगाम, स्वर विपर्यय, पार्श्ववर्ती स्वर–विपर्यय, दूरवर्ती पश्चगामी समीकरण, मात्रिक अपश्रृति, गुणीय अपश्रृति, शब्दों का वर्गीकरण, पारिभाषिक शब्द, नवीन शब्दों का स्रोत ।

Unit - 04

प्रकरणार्थक विज्ञान, केन्द्रीय स्वनिम तथा परिधीय स्वनिम, खडयेतर स्वनिम, संदिग्ध युंगम, ध्वन्यात्मक प्रतिलेखन, शब्द–विज्ञान, शब्दों का वर्गीकरण, पारिभाषिक शब्द,

नवीन शब्दों का आगमन, नामविज्ञान, भाषा भूगोल, अर्थ और अध्ययन विस्तार, भाषा पर आधरित प्रागैतिहासिक खोज, समाज भाषा विज्ञान, शैली विज्ञान, लिपि की उनपतित, विकास, अक्षर, संख्य, शब्द संकलन, स्वनिम और उपस्वन, अन्धविश्वास, सभ्यता का विकास, उच्चारण, प्रयुक्ति, भ्रमक व्युन्पत्ति, लिपि, लिपि की उत्पत्ति, लिपि का विकास, चित्र लिपि ।

Unit - 05

भावना मूलक लिपि, आक्षरिक लिपि, वर्णक लिपि, भारतीय लिपियाँ, ग्रन्थों के प्रमाण, विदेशी लिपि, शिला लेख, भारत की प्राचीन लिपियाँ, खरोष्ठी और बह्मी लिपि, नागरि का विकास, वैज्ञानिक लिपि का गुण, नलागरी लिपि में सुधार, कुटिल लिपि, प्राचीन नागरी लिपि, भाषा विज्ञान का इतिहास भारत : प्राचीन अध्ययन, पद्पाठ, सारस्वत शाखा, प्राच्य शाखा, लहर सिद्धान्त, वाक्य परिवर्तन, शब्द समूह, भाषा परिवर्तन, स्वरूप और प्रवृत्तियाँ, शब्द समूह परिवर्तन, रूप परिवर्तन, सरलीकरण, वियोगात्कता, पृथ्वीकरण, विदेशीकरण, भाषा परिवर्तन के स्वरूप और प्रवृत्तियाँ, भाषा विज्ञान के आधुनिक प्रवृत्तियाँ, स्वन प्रक्रिया परिवर्तन वर्तमान कालिक प्रवृत्तियाँ ।